राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम

सावधि ऋण योजना- पश्चिमी त्रिपुरा, त्रिपुरा

सफलता की कहानी

लाभार्थी का नाम	***रिपन करमाकर***
जिला एवं राज्य	*पश्चिमी त्रिपुरा, त्रिपुरा*
योजना का नाम	*सावधि ऋण*
ऋण स्वीकृति का वर्ष	*2020*
ऋण राशि	*रू. 3,00,000/-*
कार्य/व्यवसाय	*बायोफ्लॉक फिश फार्मिंग*
राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसी	***त्रिपुरा ओ.बी.सी. को-आपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन***

श्री रिपन करमाकर वाणिज्य में स्नातक हैं और पश्चिम त्रिपुरा के एक बेरोजगार युवक थे। उनका सपना बायोफ्लॉक मछली पालन के क्षेत्र में एक सफल उद्यमी बनने का था, जो जलीय कृषि की एक टिकाऊ और लाभदायक विधि है। उन्होंने सरकारी नौकरी के लिए प्रयास किया लेकिन वह किसी भी नौकरी के लिए अर्हता प्राप्त करने में सफल नहीं हो सके।

उन्होंने त्रिपुरा ओबीसी सहकारी विकास निगम (टीओबीसीडीसी) द्वारा आयोजित जागरूकता शिविर में भाग लिया और अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय के कल्याण के लिए त्रिपुरा राज्य में टीओबीसीडीसी द्वारा कार्यान्वित राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

तदोपरांत, उन्होंने अपनी बायोफ्लॉक मछली पालन शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता के लिए टीओबीसीडीसी से संपर्क किया। उन्हें राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम (एनबीसीएफडीसी) की टर्म लोन योजना के तहत रू. 3.00 लाख का ऋण स्वीकृत किया गया।

ऋण सहायता से उन्होंने बायोफ्लॉक प्रौद्योगिकी के लिए आवश्यक उपकरण और सामग्री खरीदी तथा बायोफ्लॉक मछली पालन के लिए वैज्ञानिक दिशानिर्देशों और सर्वोत्तम तरीकों का अनुपालन किया। श्री करमाकर के अनुसार, अब वह बायोफ्लॉक मछली पालन से रू. 40,000/- मासिक कमाते हैं। वह अपनी उपलब्धि से बहुत प्रसन्न और संतुष्ट हैं। वे अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने और अच्छी कमाई करने का अवसर व ऋण सहायता प्रदान करने के लिए टीओबीसीडीसी और एनबीसीएफडीसी का आभार व्यक्त करते हैं।

रिपन करमाकर उन अन्य लोगों के लिए एक प्रेरणा हैं जो टीओबीसीडीसी और एनबीसीएफडीसी की मदद से अपने उद्यमशीलता के सपनों को आगे बढ़ाना चाहते हैं।